Department of Psychology
P.P.N (P.G) College

World Suicide Prevention Day 2025

Organizes a Special Lecture -
"Isolation to Connection - Role of Family, Institution, and Society in suicide prevention."

10 September 2025 12 PM onwards

B.S. Hajeley Auditorium

Guest Speaker

Dr. Ark Verma

Associate Professor, Department of Cognitive Science, IIT Kanpur.

Prof. Anoop K Singh
Principal
PPN PG College

Prof. Abha Singh
Convener & Department In-charge

Organizing Committee

Dr. Rashmi Mishra

Dr. Rizwana

Dr. Manu Chauhan

Report on World Suicide Prevention Day Programme

Theme: *"Isolation to Connection: Role of Family, Institution, and Society in Suicide Prevention"*

Organized by: Department of Psychology, P.P.N. (P.G.) College, Kanpur

Date: September 10, 2025

Venue: B.S. Hajeley Auditorium

The Department of Psychology, under the aegis of IQAC, organized a special programme on *World Suicide Prevention Day 2025* with the theme *"Isolation to Connection: Role of Family, Institution, and Society in Suicide Prevention."* The event aimed to raise awareness about suicide prevention and emphasize the importance of social support, empathy, and collective responsibility in mental well-being.

The programme commenced with a lamp-lighting ceremony performed by the Guest Speaker **Dr. Ark Verma** (Associate Professor, Cognitive Science, IIT Kanpur), **Principal Prof. Anoop Kumar Singh**, and **Prof. Abha Singh**, Convener and Head of Department. This was followed by a soulful *Saraswati Vandana* by students.

Prof. Abha Singh introduced the theme, highlighting that PPN College has been observing *World Suicide Prevention Day* for the past fifteen years. She shared relevant statistics on suicide prevalence and discussed national mental health initiatives such as **Tele-Manas** and the **Kiran Portal**.

Principal Prof. Anoop Kumar Singh emphasized the social perspective of suicide, quoting, *"Apne jeevan par aapka adhikar hai, uski suraksha aapki zimmedari hai."* He reflected on the role of family, community, and institutions in nurturing emotional resilience and collective well-being.

The keynote address was delivered by **Dr. Ark Verma**, who focused on the psychological and social aspects of suicide. He highlighted that globally, around **800 people die by suicide each day**, and prevention requires a multidimensional approach involving awareness, communication, and early intervention. He encouraged students to develop **resilience, coping strategies, and help-seeking behavior**, and to support peers in distress.

The session also included the screening of a short film titled *"Main Hoon Na,"* created by the Department of Psychology students and teachers, which received heartfelt appreciation from the audience. Competitions on **poem and essay writing** were held to promote creativity and reflection on mental health themes.

PRINCIPAL
PT. PRITHI NATH (P.G.) COLLEGE
KANPUR

GPS Map Camera
Kanpur,Uttar Pradesh,India --
Orphanage Road, Parade, Kanpur, Uttar Pradesh 208001, India
Lat 26.473590, Long 80.342745
09/10/2025 12:23 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

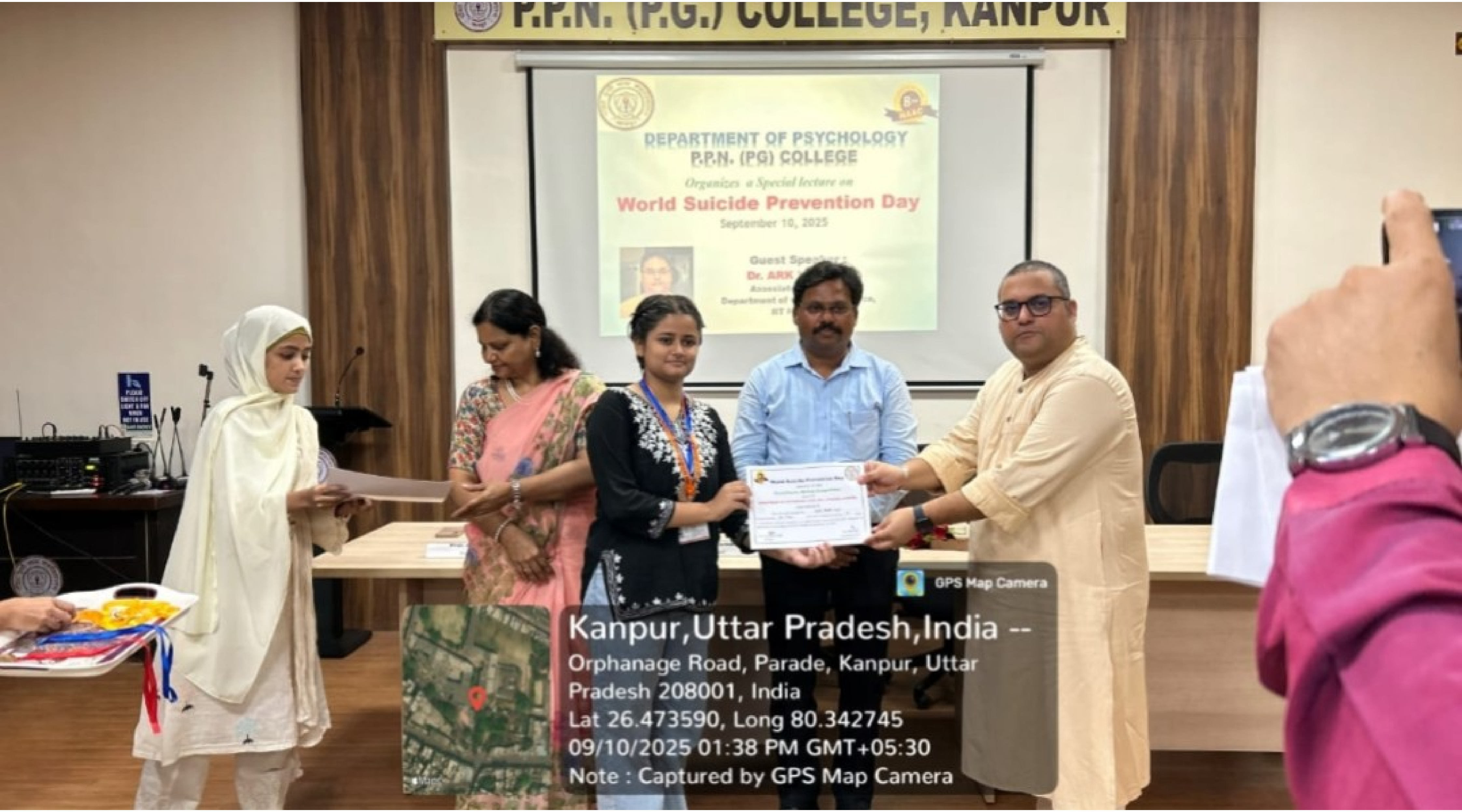
P.P.N. (P.G.) COLLEGE, KANPUR
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
P.P.N. (PG) COLLEGE
Organizes a Special lecture on
World Suicide Prevention Day
September 10, 2025
Guest Speaker :
Dr. ARK
GPS Map Camera
Kanpur,Uttar Pradesh,India --
Orphanage Road, Parade, Kanpur, Uttar
Pradesh 208001, India
Lat 26.473590, Long 80.342745
09/10/2025 01:38 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

P.P.N. (P.G.) COLLEGE, KANPUR
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
P.P.N. (PG) COLLEGE
World Suicide Prevention
GPS Map Camera
Kanpur,Uttar Pradesh,India --
Orphanage Road, Parade, Kanpur, Uttar
Pradesh 208001, India
Lat 26.473590, Long 80.342745
09/10/2025 12:26 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

लॉस्ट वन मिनिट।अकेलेपन को न रहने दे। डॉ.अर्क वर्मा, प्रो अनूप कुमार सिंह

संवाददाता | दैनिक निष्पक्ष पोस्ट

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस। पीपीएन पीजी कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गोष्ठी का आयोजन । पीपीएन पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह जी ने आत्महत्या रोकथाम पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया उन्होंने लास्ट 1 मिनट पर विस्तृत चर्चा की। डॉ.अर्क वर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, आई.आई.टी कानपुर डिपार्टमेंट ऑफ कॉग्निटिव साइंस ने विषय अकेलेपन से अपनो तक (आत्महत्या की रोकथाम में परिवार, संस्थान एवम समाज की भूमिका) पे अपने विचार व्यक्त करते हुए आत्महत्या रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि आत्महत्या को रोकने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति सकारात्मक अभिवृत्ति एवं चुनौतियों से संघर्ष हेतु प्रतिरोधक क्षमता होने पर व्यक्ति समस्याओं का समाधान आसानी से कर लेता है साथ ही मनोविज्ञानिको एवं मनोचिकित्सको की अधिक संख्या होनी चाहिए जो आत्महत्या के स्थिति आने पर उनको परामर्श प्रदान कर सके ।कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आभा सिंह द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता का परिचय डॉ. रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनु चौहान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रिजवाना द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में आत्महत्या की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच आत्महत्या से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना और उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इसके साथ ही, इस अवसर पर कविता लेखन और निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय द्वारा हाइपरटेंशन और ब्लैकमेलिंग पर टेली फिल्म भी दिखाई गई जिसमें विद्यालय के शिक्षक और छात्रों ने बेहतरीन ऐक्टिंग की थी। इस अवसर पर प्रोफेसर अनूप कुमार सिंह डॉक्टर अर्क वर्मा तथा डॉ आभा सिंह ने छात्रों को किया सम्मानित। इस अवसर पर डॉक्टर लक्ष्मी मिश्रा, प्रो मधु बाला यादव, प्रो निधि श्रीवास्तव,डॉ राजेश, डॉ धनंजय सिंह,डॉक्टर सतीश चंद्र, डॉ मनिंदर सिंह, डॉक्टर सुमन सिंह आदि रहे मौजूद।

अग्रवाल, डा रचना निगम, डा शुभा, डा अनामिका और डा समीक्षा सिंह आदि मौजूद रहे। कार्य क्रम का संचालन डा. प्रीति सिंह ने किया।

कार्यक्रम में शामिल प्राचार्य प्रो. अनूप कुमार सिंह व अन्य।

अकेलेपन से दूर रहें, जरूरत पड़ने पर मनोचिकित्सक से परामर्श लें

कानपुर, 10 सितम्बर। पीपीएन पीजी कॉलेज की ओर से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. अनूप कुमार सिंह ने आत्महत्या रोकथाम पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया । आईआईटी के एसोसिएट प्रोफसेर व डा. अर्क वर्मा ने अकेलेपन से अपनो तक आत्महत्या की रोकथाम में परिवार, संस्थान एवम समाज की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आत्महत्या रोकथाम के महत्व पर प्रकाश डाला। मनोविज्ञानिकों एवं मनोचिकित्सकों की अधिक संख्या होनी चाहिए, जो आत्महत्या के स्थिति आने पर उनको परामर्श प्रदान कर सके । कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच आत्महत्या से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना और उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कविता लेखन और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस दौरान डा. रश्मि मिश्रा, डा. आभा सिंह, डा. रिजवान आदि ने आत्महत्या की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम संचालन डा. मनु चौहान ने किया।